Downloaded from: http://www.upscportal.com

STATE ELIGIBILITY TEST
SANSKRIT SYLLABUS

प्रश्न पत्र–2

1. **वैदिक साहित्य**

देवता :

अग्नि; सवितृ; विष्णु; इन्द्र; रूद्र; बृहस्पति; अश्विनी; वरूण; उषस्; सोम

विषय–वस्तु :

संहिताएं; ब्राहाण एवं आरण्यक; उपनिषद्

सम्वाद सूक्त :

पुरूरवा–उर्वशी; यम–यमी; सर्मा–पणि; विश्वमित्रा–नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास :

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धांत–मैक्समूलर; ए0 वेबर; जैकोबी; बालगंगाधर तिलक एम0 विन्टरनिटत्ज; भारतीय परमपरागत विचार

ऋगवेद का क्रम :

संहिताओं के पाठ–भेद

वेदांग :

शिक्षा; कल्प; व्याकरण; निरूक्त; छनद; ज्योतिष

2. **दर्शन :**

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :

सतकार्यवाद; पुरुष–स्वरूप; प्रकृति–स्वरूप; सृष्टिकम; प्रत्ययसर्ग; कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार :

अनुबन्ध–चतुष्टय; अज्ञान; अध्यारोप–अपवाद; लिंगशरीरोत्पति; पंजीकरण; विवर्त; जीवनमुक्ति

Downloaded from: http://www.upscportal.com

केशवमिश्र की तर्कभाषा / अन्नभट्ट का तर्कसंग्रह :

पदार्थ; कारण; प्रमाण–प्रत्यक्ष; अनुमान; उपमान; शब्द

3. व्याकरण एवं भाषाविज्ञान :

व्याकरण :

परिभाषाएं–संहिता; गुण; वृद्धि; प्रातिपदिक; नदी; घि; उपधा; अपृक्त; गति; पद; विभाषा; सवर्ण; टि; प्रगुहा;

सर्वनाम : स्थान; निष्ठा
कारक : सिद्धांतकौमुदी के अनुसार
समास : लघुसिद्धांतकौमुदी के अनुसार
भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

भाषाओं का वर्गीकरण :

भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं ध्वनि सम्बन्धी नियम। भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएं।

4. संस्कृति साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रंथों का सामान्य अध्ययन :

पद्य : रघुवंश; मेघदूत; किरातार्जुनीय; शिशुपालवध; नैषधीयचरित; बुद्धचरित;

गद्य : दशकुमारचरित; हर्षचरित; कादाम्बरी

नाटक : स्वपन्वासवदता; अभिज्ञानशकुन्तल; मृच्छकटिक; उतररामचरित; मुद्राराक्षस; रत्नावली; वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :
काव्य की परिभाषा
काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
शब्दशक्ति– संकेतग्रह; अभिधा; लक्षण; व्यन्जना
रस (रस–भेद स्थायी भावों सहित)
रूपक के प्रकार
नाटक के लक्षण
महाकाव्य के लक्षण

Downloaded from: http://www.upscportal.com

प्रश्न–पत्र–3 (ए)
(अनिवार्य वर्ग)

इकाई–1

संहिताएं :

निम्नलिखित सुक्तों का अध्ययन :

ऋग्वेद–अग्नि (1 . 1); इन्द्र (2 . 12); पुरूष (10 . 90); हिरण्यगर्भ (10 . 121); नासदीय (10. 129); वाक (10. 125) अथर्ववेद– पृथिवी (12. 1)

ब्राह्मण एवं आरण्यक :

सामान्य लक्षण; विशेषताएं; दर्शपौर्णमास यज्ञ; आख्यान– शुनःशेप तथा वाडमनस; पंचमहायज्ञ

व्याकरण एवं वैदिक व्याख्या–पद्धतिः

पदपाठ :

स्वर–उदात, अनुदात तथा स्वरित

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर

वैदिक व्याख्या–पद्धति–प्राचीन एवं अर्वाचीन

इकाई–2

विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन। विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में : ईश; कठ; केन; बृहदारण्यक; तैतीरीय।

इकाई–3

वेदाङ्गों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद–नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गो का अर्थ; निपातों की कोटियां

क्रिया के छः रूप (षडभावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धांत

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पतियां :

आचार्य; वीर; हद; गो; समुद्र; वृत; आदित्य; उषस; मेघ; वाक उदक नदी अश्व अग्नि; जातवेदस; वैश्वानर; निघण्टु।

Downloaded from: http://www.upscportal.com

इकाई–4

महाभाष्य (पस्पशाहिक) :
शब्द की परिभाषा
शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध
व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य
व्याकरण की परिभाषा
साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम
व्याकरण की पद्धति
सिद्धांतकौमुदी :
तिङन्त (भू एवं एध मात्रा)
कृदन्त (कृत्य प्रक्रिया मात्रा)
तद्धित मत्वर्थीय
कारक प्रकरण
स्त्री प्रत्यय
भाषाविज्ञान :
भाषा की परिभाषा
भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक)
संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में मानवीय ध्वनि–यंत्र
ध्वनि–परिवर्तन के कारण
ध्वनि–नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर)
अर्थपरिवर्तन की दिशाएं तथा कारण
वाक्य का लक्षण तथा भेद
भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय
भाषा तथा वाक में अन्तर
भाषा और बोली में अन्तर

इकाई–5

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न
ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका
सदानन्द का वेदांतसार
लौगाक्षी भास्कर का अर्थसंग्रह

Downloaded from: http://www.upscportal.com

इकाई–6

रामायण

रामायण का क्रम

रामायण में आख्यान

रामायणकालीन समाज

परवर्ती ग्रंथों के लिए रामायण एक प्रेरणा–स्रोत

रामायण का साहित्यिक महत्व

महाभारत

महाभारत का क्रम

महाभारत में आख्यान

महाभारतकालीन समाज

परवर्ती ग्रंथों के लिए महाभारत एक प्रेरणा–स्रोत

महाभारत का साहित्यिक महत्व

पुराण

पुराण की परिभाषा

महापुराण एवं उपपुराण

पौराणिक सृष्टिविज्ञान

पुराण एवं लौकिक कलाएं

पौराणिक आख्यान

इकाई–7

कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)

मनुस्मृति (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)

याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्रा)

इकाई–8

पद्य :

रघुवंश (प्रथम तथा चतुर्थश सर्ग)

किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग)

शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)

नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

Downloaded from: http://www.upscportal.com

गद्य :

दशकुमारचरितरम (अष्टमोच्छवासः)
हर्षचरितरम (पंचमोच्छवासः)
कादम्बरी (महाश्वेतावृतान्त)

काव्यशास्त्र :

काव्यप्रकाश–काव्यलक्षण; काव्यप्रयोजन; काव्यहेतु; काव्यभेद; शब्दशक्ति; अभिहितान्वयवाद; अन्विताभिधानवाद; रसस्वरूप एवं रससुत्राविमर्श; रसदोष; काव्यगुण।

अलंकार–अनुप्रास; श्लेष; वक्रोक्ति; उपमा; रूपक; उत्प्रेक्षा; समासोक्ति; अपहुति; निदर्शना; अर्थान्तरन्यास; दृष्टांत; विभावना; विशेषोक्ति; संकर; संसृष्टि ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

इकाई–9

नाटय–कर्णभारः अभिज्ञानशाकुन्तल; उतररामचरित; मुद्राराक्षस; रत्नावली
नाटयशास्त्र–भारत–नाटयशास्त्र (प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय); दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)।

इकाई – 10

तर्कसंग्रह (दीपिका व्याख्या सहित)
तर्कभाषा–केशवमिश्र
प्रमातृ, प्रमेय, प्रमाण और प्रमिति की अवधारणाओं का अध्ययन

प्रश्न–पत्र–3 बी

ऐच्छिक / वैकल्पिक

ऐच्छिक–1

संहिताएं :
निम्नलिखित सूत्रों का अध्ययन :

ऋग्वेद

वरूण (1.25)
सूर्य (1.125)
उषस (3.61)
पर्जन्य (5.83)

शुक्ल यर्जुवेद

शिवसंक्लप (1.6)

Downloaded from: http://www.upscportal.com

प्रजापति (1.5)

अथर्ववेद

राष्ट्राभिवर्द्धनम (1.29)

काल (10.53)

ब्राह्मण :

प्रतिपाद्य–विषय

विधि एवं उसके प्रकार

अग्निहोत्र एवं अग्निष्टोम यज्ञ

विभिन्न संहिताओं से ब्राह्मण–ग्रंथों की सम्बद्धता

ऋक–प्रातिशाख्य :

निम्नलिखित परिभाषाएं :

समानाक्षर; सन्ध्यक्षर; अघोष; सोष्म; स्वरभक्ति; यम; रक्त; संयोग; प्रगृहा; रिफित निरूक्त

(7–अध्याय–दैवत काण्ड)

मन्त्रों के प्रकार

देवताओं का स्वरूप

देवताओं की संख्या

ऐच्छिक–2

वाक्यपदीय ब्रह्मकाण्ड

स्फोट का स्वरूप ; शब्द–ब्रह्म का स्वरूप; शब्द–ब्रह्म की शक्तियां; स्फोट एवं ध्वनि के बीच सम्बन्ध; शब्द–अर्थ सम्बन्ध; ध्वनि के प्रकार; भाषा के स्तर।

सिद्धांतकौमुदी :

समास; परस्मैपदविधान; आत्मनेपदविधान पाणिनीयशिक्षा।

ऐच्छिक–3

योगसूत्र–व्यासभाष्य

चितभूमि; चितवृतियां; ईश्वर का स्वरूप; योगांड; समाधि; कैवल्य

वेदान्त : ब्रह्मसूत्र–शाङ्करभाष्य (1.1)

न्याय–वैशेषिक: न्यायसिद्धांतमुक्तावली अनुमानखण्ड

र्स्वदर्शन संग्रह–जैनमत; बौद्धमत

ऐच्छिक–4

काव्यप्रकाश (द्वितीय तथा पंचम उल्लास)

वक्रोक्तिजीवितम (प्रथम उन्मेष)

काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय)

रसगङ्गधर–प्रथम आनन (रसनिरूपणान्त)

Downloaded from: http://www.upscportal.com

ऐच्छिक–5

पुरालिपि :

ब्राह्मीलिपि को पढ़ने का इतिहास

भारत में लेखन कला की प्राचीनता

ब्राह्मलिपि की उत्पत्ति के सिद्धांत

शिलालेख सम्बन्धी सामग्री के प्रकार

गुप्त एवं अशोक काल की ब्राह्मीलिपि

अशोक के अभिलेख :

प्रमुख शिलालेख

प्रमुख स्तम्भलेख

गुजरा लघु–शिलालेख

मास्कि शिलालेख

रूम्मिनदेई स्तम्भलेख

कान्धार का द्विभाषीद शिलालेख

मौर्योत्तर काल के अभिलेख :

कन्ष्कि के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख

कनिष्क के शासन वर्ष 18 का मनकियाला अभिलेख

नहपान के काल (वर्ष 41, 42, 45) का नासिक गुहा अभिलेख

रूद्रदामन का गिरनार शिलालेख

खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख

गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख :

समुद्रगुप्त का अलाहाबाद स्तम्भ लेख

चन्द्रगुप्त द्वितीय का वर्ष 61 का मथुरा शिलालेख

चन्द्र का महरौली लौह स्तम्भ लेख

कुमारगुप्त प्रथम के काल का बिलसद स्तम्भ लेख

कुमारगुप्त प्रथम का वर्ष 128 का दामोदरपुर ताम्रशपट्ट अभिलेख

स्कन्दगुप्त का गिरनार शिलालेख

स्कन्दगुप्त का इन्दौर ताम्र पट्ट अभिलेख

स्कन्दगुप्त का भितरी स्तम्भ अभिलेख

तन्तुवाय श्रेणी का मन्दसौर शिलालेख

प्रभावती गुप्ता का पूना ताम्र पट्ट अभिलेख

तोरमाण का एरण अभिलेख

मिहिरकुल का ग्वालियार अभिलेख

Downloaded from: http://www.upscportal.com

यशोधर्मन का मन्दसौर स्तम्भ लेख
यशोधर्मन–विष्णुवर्धन का मन्दसौर शिलालेख
महानामन का बोधगया अभिलेख
यशोवर्मदेव के काल का नालन्दा शिलालेख
आदित्यसेन का अफसद शिलालेख
जीवितगुप्त द्वितीय का देवबर्णारक अभिलेख
धरसेन द्वितीय का मालिया ताम्र पट्ट अभिलेख
ईशानवर्मन का हड़हा अभिलेख
हर्ष का बांसखेड़ा ताम्र पट्ट अभिलेख
पुलकेशी द्वितीय का एहोले शिलालेख
प्रतिहार नृप मिहिरभोज का ग्वालियार अभिलेख।